बुधवार
28 सितम्बर 2022

पृष्ठ 4
पिंपल्स को दूर करने में मददगार साबित होंगे योगासन!

पृष्ठ 5
एक्ट्रेस अहसास चन्ना की खूबसूरती बना देगी आपको दीवाना

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 230
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।
— विनोबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

दिल्ली से दून व हल्द्वानी से कोटद्वार तक जस्टिस फॉर अंकिता की गूंज

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। अंकिता की चिता की आग भले ही ठंडी पड़ गई हो लेकिन अंकिता मर्डर केस को लेकर जनाक्रोश अभी भी अपने चरम पर है। दिल्ली स्थित उत्तराखंड भवन से लेकर राजधानी दून और हल्द्वानी से लेकर कोटद्वार तक आज पहाड़ की बेटी को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर धरने प्रदर्शन और रैलियों से लेकर हाइवे जाम तक किया गया।

भले ही अंकिता की हत्या को एक सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन उसकी हत्या को लेकर पूरा पहाड़ तो सुलग ही रहा है अब इसकी लपटे दिल्ली सहित देशभर में पहुंच चुकी है। आज इस हत्याकांड के विरोध में नई दिल्ली स्थित राज्य सरकार के उत्तराखंड भवन पर महिलाओं द्वारा जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया। आज यहां मुख्यमंत्री सहित राज्य के अन्य कई मंत्री भी ठहरे हुए हैं।

वहीं राजधानी दून में आज कांग्रेस के पूर्व सीएम हरीश रावत व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित तमाम नेताओं ने गांधी पार्क के सामने धरना प्रदर्शन किया और सरकार पर इस मामले की जांच में लापरवाही बरतने तथा आरोपियों को बचाने के प्रयास करने का आरोप लगाया गया। कांग्रेसी नेताओ ने इस मामले की जांच हाईकोर्ट के जज की निगरानी में कराने की मांग की या फिर सीबीआई से जांच कराने की बात कही। कांग्रेसी नेताओं ने रात में बिना शासन प्रशासन की अनुमति के रिजार्ट पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई को साक्ष्य मिटाने का प्रयास बताया तथा मांग की है कि वह वीवीआइपी कौन था जिसको विशेष सेवा देने का दबाव अंकिता पर बनाया जा रहा था। प्रदर्शनकारियों में तमाम कांग्रेस के बड़े नेता शामिल थे।

उधर आज कोटद्वार कोर्ट में आरोपियों की पेशी की खबर मिलने पर सैकड़ों महिलाएं कोर्ट परिसर में पहुंच गई और आरोपियों को अपने सुपुर्द करने की मांग करने लगी। महिलाओं ने आरोपियों को फांसी देने की मांग करते हुए कहा कि

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

आरोपियों को नहीं मिला कोई वकील, नहीं हो सकी सुनवाई

कोटद्वार। अंकिता मर्डर केस में आरोपी पुलकित आर्य और अन्य को आज कोर्ट में पेश किया गया लेकिन आरोपियों की तरफ से कोई अधिवक्ता न होने के कारण मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। कोटद्वार बार एसोसिएशन ने पहले ही प्रस्ताव पारित कर यह साफ कर दिया है कि कोई भी वकील इन आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा।

दिल्ली में सरकार का जमावड़ा बड़े बदलाव की तैयारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य की राजनीति में भर्ती घोटालों और अंकिता मर्डर केस को लेकर जो हंगामा मचा हुआ है उससे भाजपा और सरकार दोनों ही असहज दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार के तमाम मंत्री और मुख्यमंत्री दिल्ली में जमे हुए हैं तथा पार्टी के बड़े नेताओं से मेल मुलाकातों का सिलसिला जारी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के शीर्ष नेता राज्य में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर चिंतित है तथा सरकार में बैठे नेताओं से घटनाओं का फीडबैक लेने के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की जा रही है कि इसका पटाक्षेप किस तरह से किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार काबीना मंत्री धन सिंह रावत व सतपाल महाराज के अलावा विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई बड़े नेताओं से बात कर चुके हैं और वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने वाले हैं।

❑सीएम धामी आज मिलेंगे पीएम मोदी से

बीते कल से ही प्रदेश सरकार में बड़े फेरबदल की चर्चाएं जोरों पर है। मुख्यमंत्री धामी इस बार जब दून लौटेंगे तो किन दिशा निर्देशों के साथ लौटते हैं यह भले ही उनकी वापसी के बाद पता चल सके लेकिन यह तय माना जा रहा है कि कुछ फैसले होने वाले हैं। मंत्रिमंडल में फेरबदल से लेकर आरोपों से घिरे मंत्रियों व नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

सड़क हादसे में आठ की मौत, कई घायल

हमारे संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में आज सुबह हुए सड़क हादसे में बस व डीसीएम की जोरदार टक्कर के चलते जहां आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं कई लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग आठ बजे एक निजी बस यात्रियों को लेकर धौरहरा से लखीमपुर खीरी के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि जब उक्त बस पीलीभीत बस्ती हाईवे पर शारदा पुल के समीप पहुंची तो सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार डीसीएम से उसकी भिड़ंत हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि जहां डीसीएम पलट गया वही बस के परखच्चे उड़ गये इस हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और कई लोग घायल हुए है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने पहुंचकर जायजा लिया है।

पीएफआई व इससे जुड़े संगठन 'अवैध संस्था' घोषित

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई)और इससे जुड़े संगठन या संस्थाओं को 'अवैध संस्था' घोषित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर बताया है कि पीएफआई को अगले पाँच साल तक अवैध संस्था माना जाता रहेगा।

केंद्र सरकार ने अपने आदेश में पीएफआई पर 'गुप्त एजेंडा चलाकर एक वर्ग विशेष को कट्टर बनाने' और 'आतंकी संगठनों से जुड़े होने' की बात कही है। आदेश में लिखा गया है, पीएफआई और इसके सहयोगी संगठन या संबद्ध संस्थाएँ या अग्रणी संगठन एक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संगठन के रूप में काम करते हैं, मगर ये गुप्त एजेंडा के तहत समाज के एक वर्ग विशेष को कट्टर बनाकर लोकतंत्र

का अवधारणा को कमजोर करने की दिशा में काम करते हैं। साथ ही ये भी कहा गया है कि "पीएफआई कई आपराधिक और आतंकी मामलों में शामिल रहा है और ये देश के संवैधानिक प्राधिकार का अनादर करता है. साथ ही ये बाहर से फंडिंग लेकर देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है।

आदेश में कहा गया है कि पीएफआई का संबंध बांग्लादेश और भारत के दो ऐसे संगठनों से रहा है जिन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इसमें लिखा गया है पीएफआई का संबंध आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश से भी रहा है. पीएफआई के कुछ संस्थापक सदस्य स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी के नेता रहे हैं. ये दोनों ही प्रतिबंधित संगठन हैं।

गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि पीएफआई के वैश्विक आतंकवादी समूहों के साथ संपर्क के कई उदाहरण हैं। पीएफआई के कुछ सदस्य आईएसआईएस में शामिल हुए और सीरिया, इराक और अफगानिस्तान में आतंकी कार्यकलापों में भाग ले चुके हैं. पीएफआई के कुछ काडर इन देशों के संघर्ष क्षेत्रों में मारे गए हैं. कई काडर को राज्य और केंद्रीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की

उत्तराखंड की सियासत में इन दिनों जो भूचाल आया हुआ है वह भाजपा की और संघ के नेताओं के अपनी करनी का ही नतीजा है। यह स्वाभाविक है कि भर्ती घोटालों और अब अंकिता मर्डर केस को लेकर उत्तराखंड के आम जनमानस में भारी रोष है, जिसका प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव भाजपा और उत्तराखंड की सरकार दोनों पर पड़ रहा है। इन घटनाओं ने पार्टी को असहज कर दिया है। बात चाहे आयोग के पेपर लीक मामलों की हो जिसने आयोग के अस्तित्व को ही समाप्त कर दिया चाहे विधानसभा में हुई बैक डोर भर्तियों की, जिसे भाजपा नेता और सरकार में मंत्री सीना ठोक कर अपने गलत को सही ठहराने का काम करते रहे। इस प्रकरण ने भाजपा की छवि को पूरी तरह से तार-तार कर दिया है रही सही कमी अब अंकिता मर्डर केस ने पूरी कर दी जिसे लेकर अब इस मामले की कवरेज करने वाले पत्रकारों तक को धमकियां दी जा रही है। उक्त मामलों से भाजपा और संघ के नेताओं का संबंध होना और यह सच आम जनता के सामने आ जाना भाजपा और सरकार के लिए एक बड़ी मुसीबत बन चुका है। इन सभी घटनाक्रमों में सबसे खास बात यह है कि सरकार ने इनकी जांच और दोषियों के खिलाफ जो सख्त कार्रवाई करने का साहस दिखाया है वह भी सरकार और भाजपा के खिलाफ ही जा रहा है क्योंकि जैसे-जैसे रहस्यों से पर्दा उठ रहा है वैसे-वैसे तथ्य और स्पष्ट होते जा रहे हैं। सरकार की कार्यवाही के जरिए सूबे के नेता संदेश तो यह देना चाहते थे कि सरकार भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है तथा दोषी चाहे कोई भी हो उसे बख्शा नहीं जाएगा लेकिन दोषियों की कतार में अब सभी अपने ही खड़े नजर आ रहे हैं तथा यह कतार लंबी और लंबी होती जा रही है। जो भाजपा सरकार और भाजपा के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन चुका है। भाजपा के रणनीतिकारों को अब यह समझ नहीं आ रहा है कि आखिर डैमेज कंट्रोल हो तो कैसे हो। 2022 के चुनाव में जनता ने एक बार फिर एक मजबूत बहुमत के साथ सत्ता में भाजपा को बैठाया था। तब तक जनता भी खुश थी और भाजपा नेताओं की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं था लेकिन चंद महीने ही बीते हैं कि अब दोनों ही परेशान नजर आ रहे हैं। स्थिति इतनी खराब होती जा रही है कि अब 2024 में क्या होगा इसकी चिंता अभी से सतानी शुरू हो गई है। बैक डोर भर्तियों में संघ नेताओं के बच्चों को भी नौकरियां दिए जाने से लेकर अब अंकिता मर्डर केस में अभी अभद्र टिप्पणियों को करने का जो मामला सामने आया है उसका भाजपा व सरकार की छवि पर गंभीर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इन मामलों को लेकर सरकार भले ही कुछ भी कर रही हो लेकिन इसके साथ-साथ सरकार के खिलाफ धरने प्रदर्शन व आंदोलन भी बदस्तूर जारी हैं। अगर यह सिलसिला नहीं थमता है तो यह भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला ही साबित होगा।

आरएसएस नेता के खिलाफ शहर कोतवाली में दी तहरीर

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भण्डारी के पिता व भाई को अपमानित करने वाली पोस्ट को लेकर आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन ने शहर कोतवाली में आरएसएस नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दे दी है। आज यहां आप प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन ने शहर कोतवाली पहुंचकर शहर कोतवाल को तहरीर दी। तहरीर में उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सहित पूरे देश में उत्तराखण्ड की बेटी अंकिता भण्डारी की जघन्य हत्या से जनमानस व्यथित और आक्रोशित है। इस जघन्य हत्याकाण्ड के आरोपियों के रूप में भाजपा, आरएसएस से जुडे एक व्यक्ति के पुत्र व उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्व. अंकिता की चिता की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई कि आरएसएस नेता ने अपने फेसबुक पर ऐसी पोस्ट डाली जो अत्यंत आपत्तिजनक है। फेसबुक पर डाली गयी पोस्ट में अंकिता भण्डारी के माता, पिता, भाई को अपमानित करने के साथ ही पूरे पहाड के लोगों को अपमानित किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में फेसबुक के माध्यम से प्रचारित करने के दोषी सहित इस साजिश में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ अपराधिक मुकदमा दर्ज कर सख्त सजा दी जाये।

दिल्ली से दून व हल्द्वानी से कोटद्वार तक...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जो भी वकील आरोपियों का केस लड़ेगा उसका भी विरोध किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आज यहां हाईवे को भी जाम कर दिया जिससे घंटों यातायात बाधित रहा। उधर आज हल्द्वानी में भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया उनकी मांग है कि आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए तथा सरकार ऐसे नियम कानून बनाए कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

अंकिता हत्याकांड को लेकर आरोपियों की बेल की अर्जी लगाने वाले रिमांड एडवोकेट ने अब केस लड़ने से मना कर दिया है। एडवोकेट जितेंद्र रावत ने कोटद्वार न्यायायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भावना पांडे की अदालत में बेल अर्जी लगाई थी। अब उन्होंने कहा कि मामले को संदेवनशील देखते हुए उन्होंनें आरोपियों की बेल की अर्जी का प्रार्थना पत्र वापस ले लिया है।

वन विभाग ने हटाया अतिक्रमण

संवाददाता

लालकुआं। लम्बे समय से तराई केंद्रीय वन प्रभाग की टांडा रेंज के अन्तर्गत चीड़खत्ता के आसपास आरक्षित वन क्षेत्र में गुर्जरों द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत मिली थी। जिसपर आज तराई केंद्रीय वन प्रभाग की एसडीओ शशि देव और तहसीलदार सचिन कुमार के सयुंक्त नेतृत्व में पहुंची वन विभाग की टीम ने अतिक्रमण को ध्वस्त कर कई एकड़ भूमि को अपने कब्जे में ले लिया। इस बीच वन कर्मियों को गुर्जरों के भारी आक्रोश का सामना भी करना पड़ रहा है।

टीम ने जैसे ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गुर्जरों ने लालकुआं क्षेत्र के कुछ नेताओं को बुला लिया जिसके बाद एसडीओ व गुर्जरों की तीखी नोकझोंक हुई लेकिन वन विभाग कि टीम ने गुर्जरों की एक ना सुनते हुए अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई जारी रखी और कई एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया।

इस मौके एसडीओ शशि देव ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली कि वन गुर्जरों द्वारा भारी मात्रा में चीड़खत्ता के आसपास के आरक्षित वन भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है जिसके बाद उन्होंने टीम गठित की। उन्होंने कहा कि वन भूमि पर जो भी अवैध रूप से कब्जे का प्रयास करेगा वन महकमा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य में जो भी बाधा डालने का प्रयास करेगा वन महकमा उसके विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराएगा।

इधर गामा गुर्जर का कहना है कि उक्त जमीन पर उनके पिताजी से लेकर दादाजी निवास करते आ रहे हैं तथा उनके द्वारा कोई भी अतिक्रमण नहीं किया गया। उन्होंने वन विभाग की कार्रवाई को गलत ठहराते हुए कहा कि वह वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा शासन प्रशासन को अपने पत्र भी भेज रखे तथा उनका मामला न्यायालय में विचाराधीन है उन्होंने कहा कि वन विभाग गलत कार्रवाई कर रहा है उन्होंने सरकार से विभागीय के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बैंक डिटेल लेकर निकाले 12 लाख रुपये, मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। बैंक डिटेल लेकर खाते से 12 लाख रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने अपने आपको बैंक कर्मचारी बताकर उससे उसके खाते की डिटेल मांगी। उसके द्वारा खाते की डिटेल देने के बाद उसके खाते से 12 लाख 7 हजार 987 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अनियमितता पाये जाने पर दो होटलों को पुलिस प्रशासन ने किया सीज

उधमसिंहनगर (हसं)। सितारगंज में पुलिस व प्रशासन की टीमों द्वारा होटल ढाबों व रिजॉर्ट में देर रात तक छापामारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान प्रशासन को सितारगंज के होटल सितार और सिसौना में स्थित होटल अशोका में अनियमितताएं मिली जिन्हे प्रशासन ने सीज कर दिया है। बता दें कि अंकिता हत्याकांड के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर अब उत्तराखण्ड के सभी जिलों में अवैध रूप से चल रहे होटलो, व रिजार्ट में स्थानीय प्रशासन द्वारा चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान खामियां पाये जाने पर इन होटलों व रिजार्ट को सीज भी किया जा रहा है। इस क्रम में देर रात सितारगंज में पुलिस व प्रशासन द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसके बाद पूरे शहर में हड़कंप मच गया। कुछ होटल व्यवसायियों ने अपने अपने होटलों को पुलिस प्रशासन की टीम के पहुंचने से पहले ही ताले लगा दिए। वही उपजिलाधिकारी तुषार सैनी ने बताया कि सितारगंज में होटलो में छापेमारी अभियान चलाया गया है जिसमें दो होटलों में जांच की गई तो अनियमितताएं पाई गई हैं। जिनके खिलाफ सीज की कार्यवाही की गई है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

सरकार को लेना होगा नीतिगत निर्णयः संयुक्त नागरिक संगठन

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने कहा कि राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त कर संसाधनों से लैस नियमित पुलिस को जांच और कार्यवाही के अधिकार शीघ्र दिया जाना जनहित में हैं। इसलिए उत्तराखंड की सरकार को तत्काल नीतिगत निर्णय लेने चाहिए।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा (व्हाट्सएप के माध्यम से संपन्न) संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में राज्य आंदोलनकारी, पूर्व सैनिक, एडवोकेट, शिक्षा विद, सेवानिवृत्त अधिकारी, महिला समाजसेवी आदि शामिल थे। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता हत्याकांड, उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन के नाम पर खुल रहे रिजॉर्ट्स, होटलों में हो रहे देह व्यापार, शराबखोरी, ड्रग्स कारोबार करने वाले रसूखदारो की काली करतूत का घिनौना कांड है। पहाड़ों की संस्कृति को आघात पहुंचाने वाले, इन राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक संरक्षण प्राप्त समाजसेवियो का मुखौटा ओढ़े राक्षसों से उत्तराखंड की बहू बेटियों की अस्मिता को बचाने के लिए खुद यहां के नागरिकों को ही पहल करनी होगी। क्योकि अपराधियो को कानून व्यवस्था का डर ही नही रहा है। जघन्य हत्याओं, बलात्कार के मामलों में राजस्व पुलिस व्यवस्था मूकदर्शक बनकर रह गई है। हाल के 4 वर्षों में हुए 16 हत्याकांड में अपराधियों पर तत्काल कार्यवाही ना होना इनकी मिलीभगत, लापरवाही लाचारी के नमूने हैं। अपराधियों पर कठोर नियंत्रण हेतु संसाधनों से लैस नियमित पुलिस को जांच और कार्यवाही के अधिकार शीघ्र दिए जाने जनहित में हैं। इसलिए उत्तराखंड की सरकार को तत्काल नीतिगत निर्णय लेने चाहिए। संवाद में शामिल लोगों ने हत्याकांड की कवरेज कर रहे पत्रकारों को धमकाने की भी भर्त्सना करते हुए कहा कि अपराधियों के हौसले बुलंद होना हमारी राजनीतिक, प्रशासनिक व्यवस्थाओं को खुली चुनौती है। वक्ताओं ने अंकिता कांड को पूरे देश मे मोदी सरकार की छवि को धूमिल करने वाला बताया। संवाद कार्यक्रम में जीएस जस्सल, दलीप शर्मा, एडवोकेट रेनू डी सिंह, विक्की पैट्रिक, प्रोफेसर बीपी डंगवाल, जगमोहन सिंह नेगी, आरिफ खान, दिनेश भंडारी, इंदु नौडियाल, आशा टम्टा, गुलिस्ता खानम, डॉ अजीत गैरोला, जगमोहन मेंदीरत्ता, मनोज ध्यानी, ब्रिगेडियर के जी बहल, सुशील त्यागी, अमरजीत सिंह भाटिया, जसविंदर कौर जस्सल, आदि शामिल थे।

उत त्वं भुज्युमश्विना सखायो मध्ये जहुर्दुरेवासः समुद्रे।
निरीं पर्षदरावा यो युवाकु:।।
(ऋग्वेद ७-६८-७)
तुम उसका सहारा बनो जिस को उसके अविश्वासी मित्र दुखों के समुद्र के बीच छोड़कर भाग गए हैं। उसको तुम किनारे पर लगाओ।

You should become a helping hand to those who have been left in the midst of a sea of grief by their unfaithful friends. You help him to cross the sea of sorrows. (Rig Veda 7-68-7)

महिला, बच्ची सहित गायब अपहरण का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला के अपनी बच्ची के साथ गायब होने के मामले में पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जौलीग्रान्ट निवासी व्यक्ति ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी अपनी नाबालिग पुत्री से घर से बिना बताये कहीं चली गयी है। उसको शक है कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसकी पत्नी व बच्ची का अपहरण किया गया है। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गबन करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कम्पनी खोलकर लोगों का धन गबन करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमनपुरी सेलाकुई निवासी नसिबुद्दीन ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मध्य प्रदेश निवासी घनश्याम पाल, जगदीश प्रसाद अहिरवार व वकील खान के द्वारा एक कम्पनी खोली गयी जिसमें लोगों को पैसा जमा करने व पैसे दुगने वापस करने का लालच देकर धन जमा कराया गया तथा पैसे देने के समय कम्पनी बंद कर लोगों का धन गबन कर लिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑनलाइन जॉब के लालच में गंवाये 8 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। ऑन लाइन जॉब के लालच में आठ लाख रूपये गंवाने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार माउण्ट व्यू कालोनी निवासी युवती ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने उसको रैन स्टैड कम्पनी का कर्मचारी बताते हुए उसको ऑन लाइन जॉब की आफर दी तथा उससे उसके खाते की जानकारी मांगी और कहा कि उसका कमीशन उसके खाते में डलवा दिया जायेगा। उसके द्वारा जैसे ही अपने खाते की जानकारी उसको दी तो उसके खाते से आठ लाख 90 हजार 897 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माउण्ट व्यू कालोनी सहस्त्रधारा रोड निवासी सचित पुरी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले ओमवीर ढाका व उसकी पत्नी पिंकी ढाका ने उसके साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छेडछाड, मारपीट में क्रास मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला से छेडछाड व मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी महिला ने मनोज नामक व्यक्ति के खिलाफ छेडछाड करने व विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं मनोज ने भी चार लोगों के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाईक की चपेट में आकर बच्चे की मौत

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर सात साल के बच्चे की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टी स्टेट बंजारावाला निवासी सुनील पासवान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका सात साल का बेटा घर के बाहर खेल रहा था तभी तेज गति से आ रही मोटरसाईकिल सवार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर उसका बेटा गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

विश्व पर्यटन दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

टिहरी। धर्मानन्द राजकीय महाविद्यालय, नरेंद्रनगर के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) राजेश उभान ने महाविद्यालय के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित विश्व पर्यटन दिवस -2022 के उपलक्ष्य में आयोजित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए अपने स्कॉटलैंड भ्रमण के अनुभवों को साझा करते हुए सफल पर्यटन पेशेवर बनने के लिए व्यावहारिक ज्ञान तथा व्यावसायिक कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला।

पर्यटन विभाग के प्रभारी डॉ0 संजय महर ने इस वर्ष पर्यटन दिवस की थीम पर्यटन पर पुनर्विचार पर प्रकाश डालते हुए मास टूरिज्म के विभिन्न प्रभावों को इंडोनेशिया, केन्या, नेपाल, धनोल्टी, कानाताल, पेरियार, फूलों की घाटी, अल्लेप्पी आदि पर्यटन स्थलों के उदाहरण देकर बताया।

पर्यटन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 विजय प्रकाश भट्ट ने कहा कि पर्यटन के आर्थिक लाभों व रोजगार सृजन क्षमता को देखते हुए ही विश्वभर में इसे उद्योग का दर्जा दिया गया है किंतु अनियोजित पर्यटन विकास हमारे पर्यावरण के साथ ही आर्थिकी, समाज व संस्कृति पर विभिन्न प्रकार के नकारात्मक प्रभाव डालता है।

इस अवसर पर डॉ0 सपना कश्यप, डॉ0 नूपुर गर्ग, डॉ0 विक्रम बर्तवाल, डॉ0 राजपाल रावत आदि ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी गण व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विशाल त्यागी विभाग के टूर एंड ट्रेनिंग असिस्टेंट शिशुपाल रावत, अजय द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोथरोवाला रोड में एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अनूज कुमार पुत्र वीर सिंह निवासी आजाद कालोनी पटेलनगर बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने मनसा देवी मार्ग पर एक मोटरसाईकिल सवार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 40 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मार्कंडेय जयसवाल पुत्र उमेश जयसवाला निवासी चन्द्रेश्वर नगर बताया।

भूस्खलन से हुआ मार्ग अवरुद्ध, एसडीआरएफ ने फंसे हुए लोगों को निकाला

संवाददाता

देहरादून। पिथरौगढ में आये भूस्खलन से मार्ग अवरूद्ध होने से वहां पर फंसे लोगों को एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला।

आज यहां एसडीआरएफ मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीडीएमओ पिथौरागढ़ द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि गुरना मंदिर के पास भूस्खलन से आये मलवे के कारण मार्ग अवरुद्ध होने से सैकडो़ लोग फंस गए है, जिन्हें सुरक्षित मार्ग पार कराए जाने हेतु एसडीआरएफ की आवश्यकता है। उक्त सूचना पर एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम रेस्क्यू उपकरणों के घटनास्थल पर पहुँची। एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया जहाँ मुख्य मार्ग मलबा आने से पूरी तरह ध्वस्त हो गया था तथा पार करने के लिए भी अत्यधिक दुर्गम हो चुका था। एसडीआरएफ टीम द्वारा वैकल्पिक रास्ते का चयन करते हुए वहाँ फंसे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं व अन्य को अपने सुरक्षा घेरे में लेते हुए धीरे-धीरे सुरक्षित मार्ग पार कराकर गन्तव्य हेतु भेजा गया।

अंकिता हत्याकांडः प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवालः लालचंद

नगर संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चन्द शर्मा ने अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड को उत्तराखण्ड राज्य के माथे पर कलंक बताते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा सरकार के दबाव में अंकिता भण्डारी की गुमशुदगी के पहले दिन से ही मामले की लीपापोती करने का काम किया गया। इससे न केवल प्रदेश की बिगडती कानून व्यवस्था का पता चलता है अपितु इस जघन्य हत्याकाण्ड में राज्य पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह लगता है।

उन्होंने कहा कि अंकिता हत्याकाण्ड मामले का खुलासा होने पर सबसे पहले रिसॉर्ट को सील किया जाना चाहिए था परन्तु भाजपा सरकार के इशारे पर उसके रसूखदार नेता को बचाने के लिए ऐसा करने की बजाय रिसॉर्ट पर बुल्डोजर फिराकर सबूत नष्ट करने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि जिस रिसॉर्ट में इस घटना को अंजाम दिया गया उसके खिलाफ पूर्व में भी कई शिकायतें आई परन्तु रिसॉर्ट संचालक का सत्ताधारी दल में रसूख होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसकी परिणति अंकिता हत्याकाण्ड के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि राज्य के कई पर्यटक स्थलों पर इस प्रकार के कई रिसॉर्ट अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं जिनकी जांच की जानी चाहिए तथा अवैध रूप से संचालित रिसॉर्टों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

भाजपा सरकार का बेटी बचाओ, बेटी पढाओं का नारा राज्य के लोगों को अभिषाप लगने लगा है, क्योंकि राज्य की बहू बेटियों पर जितने अत्याचार भाजपा की सरकार में हुऐ हैं इससे पहले कभी नहीं हुए थे। आज इतनें बड़े जघन्य अपराध पर जहां देश का हर नागरिक सड़कों पर है वहीं प्रधानमंत्री से लेकर देश प्रदेश का महिला आयोग सहित भाजपा के तमाम महिला मोर्चा चुप्पी साधे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महिला उत्पीडन का यह पहला मामला नहीं है इससे पूर्व भी भाजपा के कई नेताओं एवं विधायकों पर महिला उत्पीडन के संगीन आरोप लगे हैं। उन्होने कहा कि भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों ने सदैव अपने शर्मनाक कामों एवं बयानों से राज्य की मातृशक्ति को अपमानित तथा राज्य की छबि को कलंकित करने का काम किया है। जब से भाजपा प्रदेश की सत्ता में आई है प्रदेशभर में महिलायें अपने आपको असुरक्षित और अपमानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा भाजपा सरकार के पिछले साढे पांच वर्ष के कार्यकाल में उत्तराखण्ड राज्य में महिला उत्पीडन एवं बलात्कार की घटनाओं से देवभूमि कलंकित हुई है।

बाल विकास परियोजना की महिला प्रभारी से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बाल विकास परियोजना में प्रभारी पद पर तैनात एक महिला ने एक युवक पर छेड़छाड़, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार टीचरर्स कालोनी निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया गया कि वह जसपुर में बाल विकास परियोजना में बतौर प्रभारी तैनात है। बताया कि जसपुर निवासी शाने आलम पिछले लम्बे समय से उनका पीछा कर रहा है बताया कि 27 सितम्बर की शाम जब वह अपने सहकर्मी के साथ काशीपुर के सरकारी अस्पताल के बाहर आटो का इंतजार कर रही थी तो शाने आलम वहां आया और छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर उसने उन्हे गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी शाने आलम को गिरफ्तार कर लिया है।

समिति ने शहीद भगत सिंह को किया याद

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने शहीदे आजम शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर याद कर श्रद्धाजलि दी। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड में शहीदे आजम शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कि गई। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि आज हमे प्रण लेना चाहिए कि हम अन्याय सहन नहीं करेंगे भगत सिंह की तरह देश प्रेम रखते हुए देश मे हो रहे अन्याय चांहे वह किसी के द्वारा हो रहा हो उसका विरोध कर उसके खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। देश के अमर शहीदों के पदचिन्हों पर चलते हुए देश की रक्षा करेंगे यही भगत सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी,प्रदीप कुकरेती, राजकुमार बत्रा, अरुण खरबंदा, प्रवीण शर्मा, राम सिंह प्रधान, मनोज सिंघल आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस हमेशा से सांप्रदायिकता के खिलाफ रही हैः जयराम रमेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की तरफ से पीएफआई को 5 वर्ष के लिए प्रतिबंधित करने के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से सभी प्रकार की सांप्रदायिकता के खिलाफ रही है। कांग्रेस की तरफ से बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक में भेदभाव नहीं किया जाता है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस हमेशा उन सभी विचारधाराओं और संस्थानों से अडिग लड़ाई लड़ी है, जो हमारे समाज का ध्रुवीकरण करने के लिए, धर्म का दुरुपयोग करके नफरत और हिंसा फैलाने का काम करते हैं। पीएफआई के बैन से राजनीति गरमा गई है और आरएसएस को भी बंद करने की मांग की जा रही है। केरल से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में मुख्य सचेतक कोडिकुन्निल सुरेश ने आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान के कहा कि आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए पीएफआई पर बैन लगाना ही कोई उपाय नहीं है। ऐसे में आरएसएस को भी बैन किया जाना चाहिए। क्योंकि आरएसएस भी पूरे देश में हिंदू साम्पदायिकता फैला रहा है। कांग्रेस सांसद के अलावा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के विधायक एमके मुनीर ने भी आरएसएस को बैन करने की मांग की है।

राहतः देश में पिछले 24 घंटो में संक्रमण के 3615 नए मामले दर्ज, 22 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,615 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 4,45,79,088 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 40,979 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 22 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,28,584 पर पहुंच गई है। इन 22 मामलों में वे आठ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 40,979 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.09 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,378 की कमी दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.72 प्रतिशत है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

पिंपल्स को दूर करने में मददगार साबित होंगे योगासन!

पिंपल्स से हर दूसरा शख्स परेशान है, चाहे वह लड़का हो या लड़की। इनमें से ज्यादातर चंदन,नीम का लेप लगाकर और डॉक्टर के चक्कर काटकर परेशान हो गए हैं। पर पिंपल्स है कि बार-बार आ जाता है। ऐसे में आप ये तरीका आज़मा कर देखें। कुछ ऐसे योगासन हैं जिनके नियमित प्रैक्टिस से मुहांसो से छुटकारा मिल सकता है, वो भी हमेशा हमेशा के लिए। ये सभी योगासनों से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाती है और रक्त संचार से चेहरे की डेड स्किन, टॉक्सिन, दूषित कण आदी दूर हो जाते हैं।

कपालभाती प्रणायाम : कपालभाती आसन एक ऐसा आसन है जिसमें सभी योगासनों का फायदा मिलता है। इसे करने के लिए आप सिद्धासन, पद्मासन या वज्रासन में बैठकर सांसों को बाहर छोड़ें यह करते वक्त अपने पेट को अंदर की तरफ धक्का दें और ज्यादा से ज्यादा सांस बाहर फेंके। इस आसन को रोज करीब आधे घंटे तक करें।

उत्तानासन : सीधे खड़े हो जाएं और अपने हाथ अपने शरीर के साइड में रखें। साँस छोड़ते हुए कूल्हे के जोड़ों से झुकें। ध्यान रहे कि कमर के जोड़ों से नहीं झुकना है। नीचे झुकते समय साँस छोड़ें।

याद रहे कि सभी आगे झुकने वाले आसनों की तरह उत्तानासन में उद्देश्य धड़ को लंबा करना होता है। अगर आप में इतना लचीलापन हो की आप अपनी उंगलियाँ या हथेली ज़मीन पर टीका सकें, तो टिकाएं। अगर आपके लिए यह करना संभव ना हो तो ज़बरदस्ती ऐसा करने की कोशिश ना करें। ऐसी स्तिथि में अपने फॉरार्म्स को क्रॉस करें और अपनी कोहनी पकड़ लें।

आसन में रहते हुए सांस बिल्कुल ना रोकें। जब सांस अंदर लें, तब धड़ को थोड़ा सा उठायें और लंबा करने की कोशिश करें। जब साँस को छोड़ें, तब आगे की तरफ और गहराई से झुकने की कोशिश करें। कुल मिला कर पाँच बार साँस अंदर लें और बाहर छोड़ें ताकि आप आसन में 30 से 60 सेकेंड तक रह सकें। धीरे धीरे जैसे आपके शरीर में ताक़त और लचीलापन बढ़ने लगे, आप समय बढ़ा सकते हैं। लेकिन 90 सेकेंड से ज़्यादा ना करें।

त्रिकोणासन : ब्लड सर्कुलेशन तेज करने के साथ ही यह आसन आपके चेहरे के नैचुरल ग्लो और आकर्षण को बरकरार रखता हैइसे करने के लिए सबसे पहले आप खड़े हो जाएं, फिर अपने पैरों को 1 मीटर की दूरी तक फैलाए और अंदर की ओर सांस लें। अपनी दोनो भुजाओं को कंधे की सीध में ले जाएं। फिर कमर से आगे की ओर झुकें और इसी बीच सांस को छोड़ें। अब बाएं हाथ से दाएं पैर के पंजे को छुएं और दूसरा हाथ आसमान की ओर रखें। इस अवस्था में 2-3 सेकेंड तक रुकें। फिर शरीर को सीधा रखें। सांस भरते हुए ऊपर उठें। अब दोबारा इसी विधि को दूसरे हाथ से करें। कम से कम 5-6 बार इस आसान का अभ्यास करें।

अब निगेटिव रोल में नजर आएगी टीवी की सीधी-साधी अनुपमा

टीवी के चर्चित सीरियल अनुपमा अब नकारात्मक किरदार निभाती दिखाई देगी। कनफ्यूज मत होइए, यहां हम टीआरपी लिस्ट में टॉप पर रहने वाले शो अनुपमा की लीड अभिनेत्री रुपाली गांगुली की बात नहीं कर रहे बल्कि रियल लाइफ अनुपमा की बात कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं टेलीविज़न अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी की, जो कि पिछली बार टेलीविज़न सीरियल मैडम सर में अहम किरदार निभाती दिखाई दी थीं।

अनुपमा सोलंकी अब टेलीविज़न शो बिंदिया सरकार में नकारात्मक किरदार निभाती दिखाई देगी। ध्रुव भंडारी और सोनल खिलवानी स्टारर इस टेलीविज़न सीरियल में अनुपमा का किरदार कैसा होगा यह देखना बहुत दिलचस्प होगा। अनुपमा इस शो में ध्रुव भंडारी की जिंदगी में बहुत बड़ी आफत बनकर आएंगी।

सीरियल में उनकी भूमिका की बात करें तो वह इस सीरियल में नीलू वाघेला की छोटी बहन की भूमिका निभाती दिखाई देगी। इस आगामी किरदार के बारे में अनुपमा ने कहा, मैं नकारात्मक किरदार निभाना काफी एन्जॉय करती हूं। इस तरह की भूमिका बड़ी चुनौतीपूर्ण होती हैं तथा क्योंकि इनमें निरंतर प्लानिंग एवं प्लॉटिंग चलती रहती है इसलिए इनमें करने के लिए बहुत कुछ होता है। अनुपमा ने कहा कि कास्टिंग डायरेक्टर अक्सर उन्हें नकारात्मक किरदार के लिए चुनते हैं। उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर उन्होंने पिछला रोल सकारात्मक किया था किन्तु इससे पहले उन्होंने अधिकतर किरदार नकारात्मक ही किए हैं।

अनुपमा ने बताया- मैंने अपना करियर ये हैं मोहब्बतें से आरम्भ किया था और डायन और चीकू की मम्मी दूर की में नकारात्मक किरदार निभाया है।

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

1		2	■	3	4		5	■
	■		■	■		■	6	
■	7			■	■	■		■
8			■	9				■
10		■	■		■	■	■	11
	■	12			■	■	13	
14	15	■		■	16	17		
■		■	18				■	■
19				■		■	20	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ करेगी नोटबंदी पर सुनवाई

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने 2016 में 500 और 1000 रुपये के नोट बैन कर दिए थे। जिसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में 58 याचिकाएं दायर की गईं, इस पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हामी भर दी है। साथ ही 5 सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया। इस मामले की सुनवाई अब 12 अक्टूबर को होगी। भारत सरकार शुरू से ही इस फैसले को भ्रष्टाचार और कालेधन के खिलाफ बता रही, जबकि याचिकाकर्ताओं का दावा है कि ये फैसला गलत था। इससे कालाधन रखने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ा। दरअसल पीएम मोदी ने 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी लागू कर दी थी। जिसके तहत 500 और 1000 के पुराने नोट चलन से बाहर हो गए। इससे जनता को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जिस पर 15 नवंबर 2016 को तत्कालीन चीफ जस्टिस टी. एस. ठाकुर ने सुनवाई की थी। उस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार ने एक मकसद के साथ नोटबंदी की है, जो तारीफ करने योग्य है। हम देश की आर्थिक नीति में दखल नहीं देना चाहते हैं, लेकिन लोगों को जो दिक्कत हुई उस पर सरकार हलफनामा दाखिल करे। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने नोटबंदी में कानूनी गलतियों को निकाला और सुप्रीम कोर्ट के सामने उसे रखा। साथ ही ये भी सवाल पूछा कि क्या नोटबंदी की अधिसूचना कानूनी रूप से सही थी? उस दौरान कोर्ट ने कोई आदेश तो नहीं जारी किया था, लेकिन 16 दिसंबर 2016 को उसे 5 जजों की संविधान पीठ को भेज दिया। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि नोट बदलने और निकालने में जो रोक-टोक हुई थी, वो लोगों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। ऐसे में इस पर विचार करना जरूरी है। अब कोर्ट ने 12 अक्टूबर को सुनवाई की तारीख तय की है।

आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को इलाज के लिए विदेश जाने की कोर्ट से मिली इजाजत

पटना। राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत दे दी है। लालू ने कोर्ट से 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक इलाज के लिए सिंगापुर जाने की अनुमति मांगी थी। बता दें, लालू यादव फिलहाल आईआरसीटीसी के कथित घोटाला मामले में सीबीआई और ईडी मामलों में जमानत पर बाहर हैं। राजद प्रमुख लालू यादव को किडनी, लीवर और हार्ट संबंधी बीमारियां हैं। कई दिनों तक उनका दिल्ली के एम्स में इलाज चला। डॉक्टरों ने उन्हें सिंगापुर जाकर इलाज कराने की सलाह दी थी। लालू ने 25 सितंबर को सिंगापुर में डॉक्टर के साथ अपॉइंटमेंट बुक की थी। लेकिन आईआरसीटीसी घोटाले में अनुमति नहीं मिलने की वजह से वे सिंगापुर नहीं जा सके। लालू प्रसाद यादव को इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत दे दी है। अब अगले महीने वे विदेश में इलाज कराएंगे। इससे पहले रांची की सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने लालू यादव का पासपोर्ट रिलीज किया था। लालू यादव ने सिंगापुर जाने के लिए कोर्ट में पासपोर्ट जारी करने की अर्जी लगाई थी। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने के लिए दो महीने के लिए पासपोर्ट जारी करने का आदेश दिया और कहा कि वे लौटकर फिर से कोर्ट में अपना पासपोर्ट जमा कराएं।

यो यो हनी सिंह ने नए एल्बम हनी 3.० के साथ की वापसी

रैपर और संगीतकार यो यो हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर एक बेहतरीन वीडियो के साथ अपनी वापसी की घोषणा की और साझा किया कि वह हनी 3.० नामक एक नया एल्बम रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं।यो यो ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इसमें जो तस्वीरें है, उसमें अखबार की कतरनें और व्हेयर इज यो यो हनी सिंह? जैसी सुर्खियां हैं और क्या वह संगीत बना पाएगा?बैकग्राउंड में उन्हें हिंदी में यह कहते सुना जाता है, उन्हें लगा कि मैं वापस नहीं आऊंगा। संगीत नहीं बना पाउंगा। लेकिन आपके प्यार ने मुझे वापसी कराई..हनी 3.०, एक नया एल्बम और एक नया संस्करण सिर्फ आपके लिए। आप तैयार हैं? उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया, जिसे वर्तमान में फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर 1.8 मिलियन से अधिक बार देखा गया है, हनी 3.० एल्बम जल्द ही आ रहा है !!हनी 3.० इंटरनेशनल विलेजर और देसी कलाकार के बाद उनका बड़ा एल्बम है। यो यो को ब्राउन रंग, ब्लू आइज, अंगरेजी बीट, डोप शोप और मनाली ट्रान्स जैसे गानों के लिए जाना जाता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

एक्ट्रेस अहसास चन्ना की खूबसूरती बना देगी आपको दीवाना

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत करने वाली एक्ट्रेस अहसास चन्ना आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। साल 2००5 में आई फिल्म वास्तु शास्त्र में सुष्मिता सेन के साथ वो महज 5 साल की उम्र में नजर आई थी। लेकिन, अब ये बच्ची बड़ी हो गई है और अपने हुस्न का जलवा बिखेर रही है। आज उनके लाखों फैंस उनकी एक झलक के दीवाने बने बैठे हैं। एक्ट्रेस अहसास चन्ना ग्रीन कलर की थाई स्लिट और डीपनेक ड्रेस में गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस अहसास अपनी हॉटनेस से इन दिनों सोशल मीडिया पर पारा बढ़ाए हुए हैं। फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ किए बिना नहीं रुक रहे हैं। अहसास चन्ना ओह माय फ्रेंड गणेशा, कभी अलविदा न कहना और आर्यन जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अहसास चन्ना को कन्ट्रोवर्सी की वजह से भी जाना जाता है। अहसास चन्ना के पिता पंजाबी फिल्म प्रोड्यूसर हैं, जबकि मां एक टीवी अभिनेत्री हैं। वहीं, उनके पिता ने करण जौहर पर इस बात को लेकर केस कर दिया था। कि वो बिना उनको बताए कभी अलविदा न कहना की शूटिंग के लिए उनकी बेटी को न्यूयॉर्क ले गए थे। कोटा फैक्ट्री और हॉस्टस डेज में नजर आई अहसास चन्ना अपनी मेहनत के दम पर अपना नाम बना रही हैं।

एक्ट्रेस अहसास चन्ना यूट्यूब चैनल के लिए सीरीज और कई शॉर्ट वीडियो के साथ कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बचपन में लड़को के किरदार बहुत निभाए, जिस कारण उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। लोगों ने आरोप लगाए कि उन्होंने अपना सेक्स चेंज करवा लिया है। वहीं, एक बार उनकी मां ने अहसास के पिता पर बहुत गंभीर इल्जाम लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने अहसास को कम उम्र में ही पैसे कमाने की मशीन बना दिया है। जबकि, अहसास के पिता ने कहा था कि अहसास अपनी मां की वजह से पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रही हैं। हालांकि, अब एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती से फैंस की धड़कनें बढ़ाने का काम कर रही हैं। वहीं, उनकी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

अमित त्रिवेदी ने चुप में अपने नए गाने *गया गया गया* को लेकर की बात

गायक और संगीत निर्देशक अमित त्रिवेदी ने आर. बाल्की के निर्देशन में बनी फिल्म चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट के पहले गीत गया गया गया के लिए संगीत तैयार किया है। उन्होंने इस पर खुल कर बात की। इसको लेकर अमित बताते हैं कि, चुप एक बहुमुखी फिल्म है और इसकी कहानी अनूठी है।

हमें कुछ ऐसी रचना करनी थी जो फिल्म के सार के अनुरूप हो और हमें गया गया मिला। हमारे लिए जरूरी है कि फिल्म के गूढ़ संकेत को खोए बिना गीत के रोमांटिक तत्व को जीवित रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

गीत को स्वानंद किरकिरे ने लिखा है और रूपाली मोघे और शाश्वत सिंह ने गाया है। बाल्की, जिन्हें पैडमैन जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, ने गुरु दत्त की 1959 की क्लासिक कागज के फूल से प्रेरणा लेकर यह फिल्म बनाई है।

अपने मनोवैज्ञानिक थ्रिलर के नवीनतम ट्रैक के बारे में बात करते हुए, वह संगीतकार की प्रशंसा करते हैं और कहते हैं, अमित त्रिवेदी ने एक शानदार काम किया है। किसी भी फिल्म के लिए संगीत महत्वपूर्ण हो जाता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फिल्म से इसका संबंध है।

अपनी फिल्म की अवधारणा के बारे में विस्तार से बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह दो भावनाओं-रोमांस और रोमांच का मिश्रण है और इसे ठीक से प्रतिबिंबित किया गया है। चुप रोमांस और रोमांच का एक असामान्य मिश्रण है, और इसके संगीत में दोनों को शामिल करना था।

गया गया में फिल्म के गूढ़ तत्वों को उपयुक्त रूप से शामिल किया गया है और मैं इसके प्रवाह से खुश हूं। पूरा स्कोर मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। और हम उन सभी को जल्द रिलीज करने की उम्मीद कर रहे हैं।

फिल्म में सनी देओल, दुलकर सलमान, श्रेया धनवंतरी और पूजा भट्ट हैं।

6 अक्टूबर को शादी रचाएंगे अली फजल और ऋचा चड्ढा

बॉलीवुड सितारों की शादी का इंतजार फैंस को बेसब्री से रहता है। काफी समय से अभिनेता अली फजल और ऋचा चड्ढा की शादी से जुड़ी खबरें आ रही हैं। ये दोनों जल्द अपने रिश्ते को नाम दे सकते हैं। उनकी शादी भव्य तरीके से होगी। अब इस कपल की शादी की तारीख सामने आ गई है। कहा जा रहा है कि ये दोनों अगले महीने 6 अक्टूबर को शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, अली और ऋचा की शादी का कार्यक्रम तय हो गया है। खबरों की मानें तो शादी से जुड़े रस्म सितंबर के अंत में शुरू हो जाएंगे। प्री-वेडिंग सेरेमनी 2 अक्टूबर तक दिल्ली में चलेगी। ऐसी चर्चा है कि प्री-वेडिंग सेरेमनी के बाद मुंबई में 6 अक्टूबर को दोनों विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। फिर 7 अक्टूबर को मुंबई में ही कपल का रिसेप्शन होगा।

अली और ऋचा की पहली मुलाकात 2017 में आई फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो इससे पहले दोनों 2०2० में शादी रचाने वाले थे, लेकिन कोरोना के कारण यह टल गई। इसके बाद दोनों ही कुछ मुश्किल दौर से भी गुजरे। जून, 2०2० में अली की मां का लखनऊ में निधन हो गया था। इसके बाद दोनों ने सबकुछ सामान्य होने तक के लिए अपनी शादी को टाल दिया था।

अली के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह ब्रिटिश अमेरिकी फिल्म डेथ ऑन द नाइल और हॉलीवुड फिल्म कंधार में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। वह मिर्जापुर 3 की शूटिंग कर रहे हैं। उन्हें फुकरे 3 में भी देखा जाएगा। इस फिल्म में उनके साथ ऋचा, वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट को भी देखा जाएगा। ऋचा फिल्म अभी तो पार्टी शुरू हुई है में नजर आएंगी। उनका नाम संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरा मंडी से भी जुड़ा है। इस साल ना सिर्फ ऋचा-अली शादी करने वाले हैं, बल्कि कई अन्य जोड़ियां भी अपने रिश्ते को शादी का नाम देने के लिए तैयार हैं। इसमें मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार, सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी, अर्जुन कपूर-मलाइका अरोड़ा और श्रद्धा कपूर-रोहन श्रेष्ठ की जोड़ी शामिल है।

चीन से ही दक्षिण एशिया में अलग थलग!

हरिशंकर व्यास

भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की रही है। परंतु क्या आज कहा जा सकता है कि भारत अपने पड़ोस में शांति और सहअस्तित्व के साथ रह रहा है? असल में भारत अपने पड़ोस में यानी दक्षिण एशिया में भी अलग थलग पड़ा है और ऐसा भारत की विदेश नीति की गड़बड़ियों के कारण नहीं है। इसके दूसरे कारण हैं। एक कारण यह है कि भारत आबादी और आकार में बड़ा होने के बावजूद अपनी ऐसी वैश्विक आर्थिक, कूटनीतिक या सामरिक ताकत नहीं बना सका, जिससे पड़ोसी देश डर के साथ सम्मान करें। दूसरा कारण है कि चीन भारत को अलग थलग करना चाहता है, और वह इसमें सफल है। चीन ने ऐसी आर्थिक व सामरिक कूटनीति की है कि उसने दक्षिण एशिया के ज्यादातर देशों को अपनी कॉलोनी बना डाला है। वे उसके असर में हैं और भारत की परवाह नहीं करते हैं।

इसे सिर्फ दो हालिया उदाहरणों से समझे। दोनों उदाहरण चीन से जुड़े हैं। श्रीलंका में आर्थिक और बड़ा राजनीतिक संकट आया तो चीन पल्ला झाड़ कर खड़ा रहा, जबकि श्रीलंका की तबाही में उसका बड़ा हाथ है। उसने श्रीलंका की मदद नहीं की। श्रीलंका की मदद भारत ने की। भारत ने उसे तेल भेजा और अनाज सहित तमाम दूसरी जरूरत की चीजें भेजीं, जिसे श्रीलंका ने सार्वजनिक रूप से लिया। इसके बावजूद श्रीलंका ने भारत की परवाह नहीं करते हुए चीन के जासूसी जहाज को अपने बंदरगाह पर ठहरने की इजाजत दी। यह घटना पिछले महीने की है। भारत ने विरोध किया। इस पर श्रीलंका ने चीन से जहाज रोकने को भी कहा पर जब चीन अड़ा रहा तो श्रीलंका ने 16 से 22 अगस्त तक जहाज को बंदरगाह पर रूकने दिया। इस जहाज का मकसद भारत के परमाणु और अन्य सामरिक संस्थाओं की जासूसी का बताते है।

दूसरी खबर 16 सितंबर की है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बंदरगाह मामले का जिक्र किया। कहा कि यह दुर्भाग्य है कि श्रीलंका को पंचिंग बैग बनाया जा रहा है यानी दोनों तरफ से उस पर हमले हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिंद महासागर में बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता में वह पार्टी नहीं बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका नहीं चाहता है कि प्रशांत महासागर का विवाद हिंद महासागर में पहुंचे। वह किसी भी सैन्य गतिविधि का हिस्सा नहीं बनेगा। श्रीलंका का इशारा भारत की ओर है। भारत की तमाम मदद के बावजूद उसने साफ कहा है कि अगर भारत और चीन के बीच किसी किस्म का टकराव होता है तो वह किसी तरह से इसका हिस्सा नहीं बनेगा। सोचें, भौगोलिक सीमा के साथ साथ श्रीलंका के साथ भारत का सांस्कृतिक और नस्ली रिश्ता भी है और ऊपर से भारत ने हमेशा उसकी मदद की है, इसके बावजूद उसने भारत के साथ खड़े होने से इनकार किया है।

यह स्थिति सिर्फ श्रीलंका की नहीं है। नेपाल के साथ अलग भारत के संबंध बिगड़े हैं। चीन का वहां ऐसा दबदबा बना है कि नेपाल सिर्फ तटस्थ नहीं है, बल्कि वह भारत विरोधी हो गया है। नेपाल में भारत विरोध इतना बढ़ गया है कि पिछले दिनों लिपुलेख और कालापानी में भारत के सड़क और पुल बनाने का नेपाल ने भारी विरोध किया और कहा कि यह उसका इलाका है। उसके सैनिक आए दिन सीमा पार भारतीयों पर कार्रवाई कर रहे हैं। भारतीय वस्तुओं का नेपाल में बहिष्कार हो रहा है और अब अग्निपथ योजना से भी नेपाल ने अपने लोगों को अलग कर दिया है। बुद्ध की सॉफ्ट डिप्लोमेसी का कार्ड भारत के हाथों से छीनने के लिए चीन ने नेपाल के लुम्बिनी यानी बुद्ध के जन्मस्थान पर हजारों करोड़ रुपए का निवेश किया है। इतना ही नहीं यह प्रचार भी किया है कि उन्हें गया में ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ था, बल्कि जन्म के साथ ही बुद्ध को ज्ञान प्राप्त था।

पाकिस्तान पहले से भारत का दुश्मन देश है। उसने ऐलान किया हुआ है कि चीन उसका ऑल वेदर फ्रेंड है। चीन ने दोनों तरह से पाकिस्तान को अपने नियंत्रण में लिया हुआ है। उसने उसकी मदद की है और वन बेल्ट, वन रोड योजना उसके इलाके में शुरू की है तो साथ ही कर्ज देकर भी उसको अपने जाल में फंसाया है। चीन और पाकिस्तान की दोस्ती ऐसी है कि पाकिस्तान की सरजमीं से भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां चला रहे आतंकियों को भारत संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित नहीं करा पा रहा है। दुनिया के सभ्य और लोकतांत्रिक देशों की मदद से भारत जब भी इस तरह के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लाता है तो चीन उसे रूकवा देता है। अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के साथ भी चीन के जैसे संबंध हैं वैसे पाकिस्तान के भी नहीं हैं। तालिबान के कट्टरपंथियों को भी चीन से कोई शिकायत नहीं है। यहां तक कि उइगर मुसलमानों पर होने वाले जुल्म को भी तालिबान ने स्वीकार किया है।

उधर म्यांमार के सैन्य शासन को चीन का समर्थन है तो भूटान के साथ भी उसने सीमा को लेकर ऐसा समझौता किया है, जिससे भारत को आने वाले दिनों में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। ध्यान रहे भूटान के कई हिस्सों पर चीन दावा करता है और वो ऐसे हिस्से हैं, जहां तक पहुंचने के लिए अरुणाचल प्रदेश से होकर जाना होगा। इस तरह चीन भूटान के बहाने भारत की जमीन पर दावा कर रहा है। बांग्लादेश भी चीन के असर में है लेकिन वह अभी उस तरह से चीन की कॉलोनी नहीं बना है, जिस तरह दक्षिण एशिया के बाकी देश बन गए हैं। इस तरह चीन ने भारत के सारे पड़ोसी देशों को अपने नियंत्रण में लेकर भारत को चारों तरफ से घेरा हुआ है।

वेत्रिमारन की विदुथलाई ने अपना अगला शेड्यूल किया पूरा

जाने-माने निर्देशक वेत्रिमारन की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म विदुथलाई के निर्माताओं ने घोषणा की कि फिल्म की यूनिट ने अगले शेड्यूल को पूरा कर लिया है, जिसमें मुख्य भूमिका में सूरी और अभिनेता विजय सेतुपति हैं।

अभिनेता और राजनेता उदयनिधि स्टालिन की रेड जाइंट मूवीज ने ट्विटर पर यह घोषणा की। इसने कहा, पीटर हेन द्वारा कोरियोग्राफ किए गए एक गहन एक्शन सीन के साथ, यह वेट्री मारन की विदुथलाई का शेड्यूल रैप है।

निर्माताओं ने पहले ही घोषणा कर दी है कि फिल्म को दो भागों, विदुथलाई -1 और विदुथलाई -2 में प्रस्तुत किया जाना है। विदुथलाई-1 की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है।

विदुथलाई-2 की शूटिंग खत्म होने में कुछ ही हिस्से बचे थे। अब, ऐसा प्रतीत होता है कि कोडाईकनाल कार्यक्रम के समापन के साथ ही इसका काफी हिस्सा पूरा हो गया है। सूत्रों का कहना है कि, कोडाइकनाल में विजय सेतुपति और सूरी के बीच एक्शन सीक्वेंस शूट किया गया था। पीटर हेन ने इस एक्शन सीक्वेंस को कोरियोग्राफ किया जिसमें बुल्गारिया के कुशल स्टंटमैन का एक समूह एक हिस्सा था। आरएस इंफोटेनमेंट के एलरेड कुमार द्वारा निर्मित, विदुथलाई फ्रैंचाइजी को भारी बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म की भव्यता जबरदस्त चर्चा पैदा कर रही है। हाल ही में, फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से एक ट्रेन और रेलवे पुल बनाया गया था।

सू- दोकू क्र.81

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चलें ज़रा संभल के...!

अब जबकि कुछ ऐसे हलकों से-जिन्हें किसी राजनीतिक मकसद से प्रेरित नहीं माना जा सकता- सवाल उठाए गए हैं, तो उन प्रश्नों के जवाब दिए जाने चाहिए। मकसद भरोसे का माहौल बनाना होना चाहिए।

यह नहीं कहा जा सकता कि आत्म-निर्भरता की भारत सरकार की नीति गलत दिशा में है। इसके तहत मेक-इन-इंडिया को बढ़ावा देने और सरकारी विभागों की खरीद में पारदर्शिता लाने की उसकी पहल इस नीति का ही हिस्सा हैं। पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल की शुरुआत की है। बहरहाल, इन उपायों को लेकर हाल में खास कर देश की रक्षा तैयारियों से जुड़े लोगों और वैज्ञानिक समुदाय के एक हिस्से की तरफ से असंतोष जताया गया है।

रक्षा विशेषज्ञों ने तो यहां तक चेतावनी दी है कि पूरी तरह से देसी उपकरण खरीद की अपनाई गई नीति से सरहद पर देश की मुस्तैदी कमजोर हो सकती है। उधर वैज्ञानिकों के एक हिस्से की शिकायत है कि अनुसंधान के लिए भारत में बने उत्पाद उच्च गुणवत्ता वाले नहीं है और भारतीय कंपनियों की आफ्टर सेल सर्विस भी खराब है।

इसलिए इस नीति से रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खराब असर पड़ सकता है। एक शिकायत यह भी आई है कि कई भारतीय कंपनियां चीन में बने पुर्जो को मंगवा कर उसे असेंबल करती हैं और उसे स्वदेशी उत्पादन की शर्तों पर खरा बता कर बेच देती हैँ। सरकार को इन तमाम शिकायतों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। आखिर अच्छी से अच्छी नीयत भी व्यावहारिक कारणों से खराब नतीजे की वजह बन सकती है।

सरकार पर यह आरोप पहले से रहा है कि आत्म-निर्भरता और मेक-इन-इंडिया के नाम पर असल में वह कुछ गिने-चुने औद्योगिक घरानों का हित साध रही है। सरकार अगर संबंधित पक्षों के साथ खुले संवाद की प्रक्रिया कायम रखती, तो ऐसे आरोपों या शिकायतों की गुंजाइश नहीं बन पाती। बहरहाल, अब जबकि कुछ ऐसे हलकों से-जिन्हें किसी राजनीतिक मकसद से प्रेरित नहीं माना जा सकता- सवाल उठाए गए हैं, तो उन प्रश्नों के जवाब दिए जाने चाहिए। मकसद भरोसे का माहौल बनाना होना चाहिए। इसके लिए अगर सरकार की नीति में कुछ फेरबदल करना पड़ा और इस पर अमल की गति धीमी करनी पड़े, तो सरकार को ऐसा करना चाहिए। ऐसे मामलों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना कभी देश हित में नहीं होता।(आरएनएस)

मेरे सभी श्रोताओं के लिए गीत वसलादी उपहार में : फाल्गुनी पाठक

फाल्गुनी पाठक ने एक नया नवरात्रि गीत पेश किया है, जिसका शीर्षक वसलादी है, जिसमें उनका कहना है कि यह उनके सभी श्रोताओं के लिए एक उपहार है। वीडियो को जिगर सोनी और सुहराद सोनी ने कोरियोग्राफ किया है, जो वीडियो में भी नजर आएंगे। वीडियो का निर्देशन संजय लोंधे ने किया है। गीत के बारे में बात करते हुए, फाल्गुनी पाठक ने कहा, नवरात्रि में मेरे सभी श्रोताओं के लिए वसालादी मेरा उपहार है। मुझे आशा है कि वे गीत का आनंद लेंगे और आशा करते हैं कि वे अपने डांडिया उत्सव के दौरान इसे लूप पर बजाने के लिए चुनेंगे।

गीत के ट्रैक विनोद भानुशाली के हिट्स म्यूजिक द्वारा निर्मित हैं। उनका कहना है कि फाल्गुनी पाठक के गीत के बिना नवरात्रि अधूरी है। उन्होंने आगे कहा, उनके गीत आज भी हमें याद आते हैं और एक संगीत लेबल के रूप में, हमने अपने प्रशंसकों को इस सीजन में गरबा करने के लिए एक नया गीत देने की कोशिश की है।

वसलादी उनके संगीत के असली सार को पकड़ती है, उनकी सिग्नेचर शैली के साथ परिचित की भावना लाती है और हम वादा करते हैं कि इस त्योहारी सीजन में यह उनका आपका नया पसंदीदा गीत होगा।

सीएम धामी ने दिल्ली में की राज्यपाल कोश्यारी से मुलाकात।

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में हुआ दुर्गा सप्तशती का पाठ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में विशेष शारदीय पूजा अनुष्ठान में आज तृतीय दिवस विशेष पूजा अर्चना के बाद श्री दुर्गा सप्तशती पाठ हरिद्वार से पधारे आचार्य भरत लेखक द्वारा किया गया।

भजन मंडलियों ने मैया तेरे चरणों की जो धूल मिल जाए....... लाल लाल चुनरी सितारों वाली....... भक्तों को दर्शन दे गई, एक छोटी सी कन्या....... जैसे सुमधुर भजनों से वातावरण और भक्तिमय व शक्तिमय हो गया, शाम को विशेष श्रृंगार के साथ आरती की जाएगी। मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने नारी शक्ति के सम्मान का आह्वान करते हुए, लड़कियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वालंबी बनाने के लिए समाज से अपील की, इस अवसर पर मयंक ओबराय, हर्षपति रयाल, गणेश बिजलवान, प्रवेश कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

अंकिता हत्याकांड को लेकर प्रदर्शन कर रहे उत्तराखंडी युवकों के साथ मारपीट की घटना निंदनीयः प्रताप

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने दिल्ली के उत्तराखंड सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन पर अंकिता हत्याकांड को लेकर उग्र प्रदर्शन कर रहे उत्तराखंडी युवा नेता ईश्वर रावत और महिला नेत्री दीपिका नयाल वह अन्य नौजवानों के एक समूह को को गिरफ्तार किए जाने और उनके साथ मारपीट किए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है।

धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि एक ओर तों उत्तराखंड की सरकार इस कांड के दोषी आर्य परिवार को गिरफ्तार करने के लिए तैयार नहीं है दूसरी ओर इस वीभत्स कांड की जांच की मांग कर रहे निर्दोष युवा युवतियों को भाजपा की केंद्र सरकार की नाक के नीचे दिल्ली में गिरफ्तार किया जा रहा है और उत्पीड़ित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह जुल्म की इंतहा है और दोषियों को जब तक सजा नहीं मिलेगी उत्तराखंडी चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने आज गिरफ्तार किए गए उत्तराखंडी युवको को तत्काल बिना शर्त रिहा किए जाने की मांग की।

आज ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत करने की आवश्यकता हैः जोशी

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कृषि, कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि जोशी ने कहा कि अगर गांव मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। इस दिशा में सरकार युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

आज यहां प्रदेश के कृषि, कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण, एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी बुधवार को ग्राम्य विकास विभाग द्वारा देहरादून हाथीबड़कला स्थित सर्वे स्टेडियम में आयोजित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत राज्य स्तरीय रोजगार मेले कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने 75 प्रशिक्षित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। वही इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना एनआरएलएम के अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार तथा ग्राम्य विकास विभाग उत्तराखंड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास हेतु एक महत्वाकांक्षी योजना है। मंत्री ने कहा राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के माध्यम से समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा हैं, जिनमें राज्य के विभिन्न जनपदों से डी०डी०यू० जी० के०वाई० के अन्तर्गत प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है, तथा साक्षात्कार के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। इसी उद्देश्य से इस रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें डी०डी०यू जी०के०वाई के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग 450 से अधिक अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मंत्री ने कहा रोजगार मेला इन बच्चों के भविष्य के निर्माण में कारगार सिद्ध होगा साथ ही दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना की मुहिम को भी गति मिलेगी। जोशी ने कहा इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे आगे आ रहे हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। जोशी ने कहा कि अगर गांव मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा ।इस दिशा में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इस अवसर पर रेशम फेडरेशन अध्यक्ष अजीत चौधरी, महामंत्री सुरेंद्र राणा, परियोजना निदेशक पी.डी. तिवारी, डी. डी. ओ.डोभाल, मनरेगा परियोजना समन्वयक अशलम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना परियोजना निदेशक प्रभाकर, विभिन्न कंपनियों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

वर्कआउट 70 प्रतिशत नहीं तो नपेंगे थानेदारः कुंवर

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने कहा कि गम्भीर प्रकृति के अपराधों के वर्कआउट 70 प्रतिशत से कम हुए तो सम्बनिध थानेदारों को हटाया जायेगा।

गत देर रात्रि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों की मासिक अपराध बैठक ली गयी। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में गठित गम्भीर प्रकृति के अपराधों लूट, डकैती, हत्या व अन्य के लम्बित मामलों का शीघ्र खुलासा करना सुनिश्चित करें। गम्भीर प्रकृति के अपराधों में वर्कआउट का पर्सेन्टेज कम से कम 70 प्रतिशत होना चाहिए, यदि किसी थाने का वर्कआउट पर्सेन्टेज 70 प्रतिशत से कम होता है, तो सम्बन्धित थाना प्रभारी को हटाया जायेगा। इसके अतिरिक्त गम्भीर प्रकृति के अपराधों में वांछित अपराधियों के विरूद्ध इनामी ध नराशि को बढ़ाने के निर्देश दिए गये। महिला सम्बन्धी अपराधों बलात्कार, पोक्सो, एससी-एसटी एक्ट आदि की विवेचना को निर्धारित समयावधि के अन्दर समाप्त किया जाये, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। पारिवारिक विवादों की काउन्सलिंग के दौरान सवेंदनशीलता के साथ कार्य किया जाये, ऐसे विवादों में कम से कम 02 काउन्सलिंग अनिवार्य तौर पर की जाये। उन्होने निर्देश दिये कि कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों पर रिस्पांस टाइम को कम से कम रखते हुए तत्काल मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। पुलिस द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही से आम जनमानस के बीच एक सकारात्मक संदेश जाता है तथा उनका पुलिस के प्रति विश्वास बढता है।

उन्होंने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में किसी भी सडक दुर्घटना के होने पर स्वंय मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, साथ ही घटना की सूचना को मौके से ही अनिवार्य रूप से सडक परिवहन मत्रांलय द्वारा बनाये गये आई-रेड एप में भी फीड किया जाये। इसके अतिरिक्त सडक दुर्घटना में पीडित व्यक्ति की सहायता हेतु आगे आने वाले लोगों को भी चिन्हित करते हुए उनके नाम उपलब्ध कराये जायें। जिन थाना क्षेत्रों की सीमाएं राजस्व पुलिस क्षेत्र से लगती हो तथा राजस्व पुलिस क्षेत्र के ऐसे स्थानों को, जिन्हें रेगुलर पुलिस क्षेत्र में सम्मिलित किया जाना आवश्यक हो, सम्बन्धित थाना प्रभारी ऐसे स्थानों को चिन्हित करते हुए उनकी सूची तैयार कर लें।

त्यौहारी सीजन के दौरान बाहरी जनपदों व प्रदेशों से आने वाले व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखी जाये, थाना क्षेत्र में घूमने वाले प्रत्येक फड/ठेली वाले तथा निवासरत बाहरी व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से सत्यापन सुनिश्चित किया जाये, जिससे त्यौहारी सीजन के दौरान होने वाली घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। इस अवसर पर एसएसपी ने सराहनीय कार्य करने वाले तीन सिपाहियों को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र भी दिये।

एक नजर

अजमेर दरगाह के दीवान जैनुल आबेदीन ने किया पीएफआई पर बैन का स्वागत

अजमेर। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने के सबूत मिलने पर पीएफआई संगठन को केंद्र सरकार की ओर से बैन किए जाने के बाद लगातार धर्मगुरुओं के बयान भी सामने आ रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह के दीवान जैनुल आबेदीन ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे सही ठहराया है। साथ ही युवाओं से अपील भी की है कि वह राष्ट्र विरोधी संगठन और नेताओं की बहकावे में ना आएं और अल्लाह ने जो रास्ता बताया है उसी राह पर चलें। अजमेर दरगाह के दीवान जैनुअल आबेदीन ने कहा कि पीएफआई संगठन लगातार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। इसे लेकर पहले भी बैन करने की मांग उठाई गई थी, लेकिन अब देर आए दुरुस्त आए। उन्होंने कहा कि यह बैन हालांकि पांच साल पहले ही लगा देना चाहिए था। ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह के दीवान जैनुल आबेदीन ने दरगाह के बाहर लगाए गए सर तन से जुदा नारों को लेकर भी अपना विरोध जताया था और इस पर कार्रवाई की मांग की गई थी। वहीं इस मौके पर उन्होंने मुस्लिम समाज के युवाओं को आह्वान भी किया है कि वह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को संचालित करने वाले संगठन से दूर रहें और पैगंबर हजरत मोहम्मद और ख्वाजा गरीब नवाज के साथ ही कुरान को अपना आइकन माने और उनके ही नक्शे कदम पर चलें, जिससे की अमन-चौन और शांति देश दुनिया में कायम हो सके।

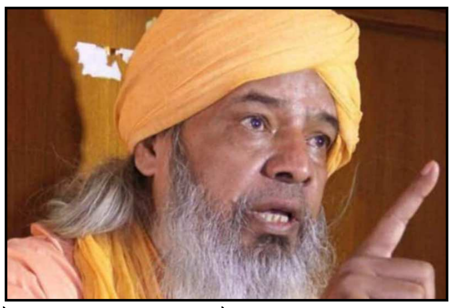

अंकिता के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगीः धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिवंगत अंकिता भण्डारी के परिजनों को 25 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। अधिकारियों को इसके लिये निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंकिता के परिवार के साथ है और उनकी हर प्रकार से सहायता करेगी। मामले की एसआईटी जांच की जा रही है। पूर्ण निष्पक्ष तरीके से जल्द से जल्द जांच पूरी की जाएगी। मामले से संबंधित हर तथ्य को जुटाते हुए पुख्ता तरीके से रिपोर्ट तैयार कर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा। अपराधियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी जो आगे के लिए भी नजीर बने। पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिये फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय से अनुरोध किया गया है।

केंद्र सरकार ने तीन महिने बढाई फ्री राशन की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के गरीब वर्ग को बड़ी राहत देते हुए मुफ्त राशन देने की स्कीम को तीन महीने और बढ़ाने का फैसला लिया है। यह स्कीम 30 सितंबर को समाप्त होने वाली थी। इससे पहले सरकार ने स्कीम को तीन महीने यानि इस साल के अंत तक और बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा केंद्रीय कर्मचारियों को भी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में भी 4 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है। अगले तीन महीनों में गुजरात और हिमाचल में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में स्कीम को तीन महीने के लिए बढ़ाने के फैसले को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। कोरोना काल में केंद्र सरकार की ओर पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के नाम से इस स्कीम का ऐलान किया गया था। इसके तहत हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त राशन दिया जाता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक तीन महीने तक मुफ्त राशन की स्कीम को आगे बढ़ाने से खजाने पर 45,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार ने अपने पास जमा खाद्यान्न के स्टॉक की समीक्षा करने के बाद यह फैसला लिया है।

अंकिता मर्डर केस से पर्यटन को झटका

❑अनावश्यक कार्रवाई न करेंः धामी
❑व्यवसायियों में कार्रवाई से हड़कंप

विशेष संवाददाता

देहरादून। अंकिता मर्डर केस को लेकर राज्य भर में होमस्टे, होटल और रिजार्ट की जांच और उनके खिलाफ की जा रही सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। जिसका प्रभाव राज्य की पर्यटन विकास पर भी पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अंकिता मर्डर केस के खुलासे के बाद राज्य के सभी रिजार्ट की जांच के आदेश दिए गए थे तथा किसी भी तरह की अनियमितताएं मिलने पर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे। सभी जिलाधिकारियों को शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद जब प्रशासन द्वारा इस पर कार्रवाई शुरू की गई तो दून से लेकर नैनीताल और अल्मोड़ा तक सैकड़ों की संख्या में ऐसे होमस्टे और होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस तथा रिजार्ट पर प्रशासन का डंडा चल चुका है, जिन्हें या तो सील किया जा चुका है या उन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। शासन प्रशासन का कहना है कि जो नियम विरुद्ध है या जहां अनियमितताएं मिल रही हैं उन्हीं के खिलाफ कार्रवाई हो रही है जो नियमानुकूल है उनको कोई खतरा नहीं है। जो गलत है उस पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। इस बाबत खुद सीएम धामी ने भी कहा है कि किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह मुद्दा राज्य के पर्यटन के भविष्य से जुड़ा हुआ है। लेकिन वहीं कुछ होटल, रिजॉर्ट और होमस्टे स्वामियों का कहना है कि सभी के खिलाफ ऐसी कार्यवाही ठीक नहीं है जहां कुछ अनुचित हो रहा है या अनुचित है वही कार्रवाई की जाए।

बहरहाल एक तरफ सरकार के निर्देशों पर कार्यवाही जारी है वहीं दूसरी तरफ इस कार्यवाही से इस व्यवसाय से जुड़े व्यवसाई परेशान हैं। तथा वह इसे राज्य के पर्यटन को झटका देने वाली कार्यवाही बता रहे हैं। राज्य में होटल, रेस्टोरेंट, और रिजार्ट तथा होमस्टे व गेस्ट हाउस के लिए स्पष्ट नियम कानूनों की जरूरत है। राज्य गठन के बाद इस पर सरकारों ने समय रहते काम किया होता तो शायद यह स्थिति पैदा नहीं होती। नियम कानून के अभाव में पहले लोगों को मिली खुली छूट के कारण ही यह समस्या पैदा हुई है। शासन का कहना है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले तथा नियम विरुद्ध बने रिजार्ट व होमस्टे तथा होटलों पर यह कार्यवाही जारी रहेगी।

बस कंडक्टर के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विधवा महिला ने बस कंडक्टर पर शारीरिक शोषण और उसके वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लक्सर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र देकर बताया गया कि उसके पति की मौत हो चुकी है तथा वह क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में काम करती है। बताया कि फैक्ट्री आने-जाने के दौरान बस कंडक्टर का काम करने वाले जुबैर नाम के आरोपी ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। जिसके बाद आरोपी उसके साथ निकाह का वादा करके लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। बताया कि अधिक समय बीत जाने के बाद जब पीड़िता ने निकाह की बात की तो आरोपी कंडक्टर ने उसे इंकार कर दिया। इतना ही नहीं निकाह का दबाव बनाने पर आरोपी ने उसके फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोप है कि बीती 26 जुलाई की रात को आरोपी उसके घर आया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। निकाह की बात करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसके अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। महिला ने बताया कि उसके बाद उसने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंत में उसे कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी जुबैर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लुटेरी दुल्हन सहित 6 लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। शादी कर दुल्हे और उनके परिवार को लूटने वाले लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गैंग के तीन लोग फरार हैं। जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। आरोप है कि गैंग ने राजस्थान के कारोबारी परिवार के घर में शादी कराने के लिए नगद पैसे लिए और शादी के बाद दुल्हन सात दिनों बाद जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि अवतार सिंह निवासी उदयपुर ने शिकायत की थी उसने 19 सितम्बर को राजस्थान में रिया नाम की लडकी से शादी की थी और शादी के सात दिन बाद 25 सितम्बर को रिया घर के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गई। जांच के दौरान पुलिस ने शादी कराने वाले बिचौलिये की तलाश की तो पंकज नाम के एक व्यक्ति तक पुलिस पहुंच गयी। जिसने बताया कि रिया का असली नाम सुहानी पुत्री चौखलाल है जो थाना आईटीआई काशीपुर जिला उधमसिंहनगर की रहने वाली है। बताया कि रिया शादीशुदा है जिसके पति का नाम बाबू है और उसने अपनी मां रेखा, सिमरन, राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू, अनूप तिवारी, पाल कौर प्रवीण कुमार उर्फ रामवीर उर्फ ठाकुर व अपने पति बाबू के साथ मिलकर फर्जी आईडी बनाकर शादी की है। रिया व अन्य लोगो द्वारा दुल्हे परिवार को बताया गया था कि रिया के माता पिता का बचपन में ही देहान्त हो गया था, रिया काफी गरीब है इसके मां बाप नही है। वहीं रिया की मां रेखा ने फंसता देख अपनी लडकी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के नाम सुहानी उर्फ रिया पुत्री चोखेलाल निवासी हिम्मतपुर थाना आईटीआई जनपद ऊधमसिंहनगर, रेखा पत्नी चोखेलाल, सिमरन उर्फ सुखविन्दर कौर पुत्री सुरेन्द्र सिंह निवासी सरोवर नगर थाना गदरपुर, राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू पुत्र सतनाम सिंह निवासी बैराज कालोनी शक्तिनगर बिजनौर, बाबू पुत्र जगन लाल निवासी गदरपुर व पंकज पुत्र बुद्ध सिंह निवासी जालौन हाल राधास्वामी बाग चौमू जनपद जयपुर राजस्थान है। वहीं फरार लोगों में अनूप तिवारी पुत्र हरिशंकर निवासी जालौन, प्रवीण कुमार उर्फ रामवीर उर्फ ठाकुर, पाल कौर पत्नी प्रेम सिंह निवासी गुलरभोज शामिल है।

पुलिस लाइन से स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने पुलिस लाइन के अन्दर से स्कूटी चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू ग्राम निवासी लवेन्द्र सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से पुलिस लाइन में गया था। उसने अपनी स्कूटी पुलिस लाइन में खडी कर दी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।